

आठ साल में कृषि निर्यात में 2.13 गुना वृद्धि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने पिछले आठ वर्षों में कृषि निर्यात में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 2.13 गुना वृद्धि दर्ज की है। राज्य सरकार अब इस गति को और तेज करने के लिए अग्रणी कृषि मॉडल अपनाकर निरंतर विस्तार पर जोर दे रही है। प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ आलू, गन्ना, सब्जियों और शहद के उत्पादन में देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय कृषि निर्यात में राज्य की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत से अधिक तक ले जाना है।

वर्ष 2017 से 2025 के बीच कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में गेहूं उत्पादन में 16 प्रतिशत, अनाज उत्पादन में 17 प्रतिशत, तिलहन में 34 प्रतिशत और दलहन में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कृषि निर्यात बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग

राज्य की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत से अधिक तक ले जाना सरकार का लक्ष्य

7,139 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। राज्य का कृषि सकल मूल्य वर्धन लगभग 4.66 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जो प्रदेश के सकल राज्य मूल्य वर्धन का करीब 15.7 प्रतिशत है। सरकार द्वारा स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, डिजिटल कृषि सेवाओं और जैविक खेती को लगातार प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

इसके साथ ही विश्व बैंक समर्थित 'यूपी एग्रीज' परियोजना भी कृषि विकास मॉडल का अहम हिस्सा बनी हुई है। लगभग 325 मिलियन डॉलर की इस परियोजना के तहत पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 28 जिलों में कृषि और मत्स्य पालन के विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। ब्यूरो